



Ankur Singh

04 Feb 1996

Model: web-freenumerology

Order No: 120882604

अंक ज्योतिष फल

नाम	Ankur Singh
जन्म तिथि	04/02/1996
मूलांक	4
भाग्यांक	4
नामांक	6
मूलांक स्वामी	हर्षल/राहु
भाग्यांक स्वामी	हर्षल/राहु
नामांक स्वामी	शुक्र
मित्र अंक	1, 8, 4
शत्रु अंक	3, 5
सम अंक	2, 6, 7, 9
मुख्य वर्ष	2011,2020,2029,2038,2047,2056,2065,2074
शुभ आयु	15,24,33,42,51,60,69,78
शुभ वार	रवि, सोम, शनि
शुभ मास	जन, अप्रै, अग
शुभ तारीख	4, 13, 22, 31
शुभ रत्न	गोमेद
शुभ उपरत्न	काला हकीक
अनुकूल देव	गणेश
शुभ धातु	सीसा
शुभ रंग	काला
मंत्र	ॐ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः
शुभ यंत्र	बुध यंत्र

9	4	11
10	8	6
5	12	7

अंक ज्योतिष फल

आपका जन्म दिनांक चार होने से अंक ज्योतिष के आधार पर आपका मूलांक चार होता है। इसका स्वामी भारतीय मतानुसार राहु एवं पाश्चात्य मतानुसार हर्षल को माना गया है। मूलांक चार के प्रभाववश आप अपने जीवन में सहसा एवं आश्चर्यजनक प्रगति प्राप्त करेंगे। आपके जीवन में कई असंभावित घटनायें भी घटेंगी। एकाध घटनायें ऐसी भी घटित होंगी जो कि आपका कैरियर बदल देंगी। आप एक संघर्षशील व्यक्ति के रूप में जाने जायेंगे। आपकी विचार धारा भी आम धारणा से प्रायः अलग होगी। जमाने से आप काफी आगे की सोच रखेंगे तथा अपना विरोध प्रकट करने की आदत के कारण आप अपने आलोचक स्वयं तैयार करेंगे।

पुरानी प्रथाओं, रीतियों के विरोधी रहेंगे तथा उनमें सुधार करने की पूरी कोशिश करेंगे। आप अपने कार्यक्षेत्र में पुरानी प्रथाओं को नवीन रूप में ढालने की भी कोशिश करेंगे। अपने जीवन में आप धन संग्रह अधिक नहीं कर पायेंगे, लेकिन नाम, यश अधिक प्राप्त करेंगे। समाज में आमूल-चूल परिवर्तन देखना आपका स्वभाव रहेगा। यदि आप अपनी संघर्ष करने की प्रवृत्ति पर अंकुश रखकर सहनशील तथा सहिष्णु बन सकें और शत्रुता कम पैदा करेंगे तो अपने जीवन में अधिक सफलता अर्जित करेंगे।

आपकी विचार धारा सुधार वाली होने से आप समाज में अच्छी ख्याति प्राप्त करेंगे। लेकिन यह ख्याति स्थिर नहीं रहेगी कभी तो उच्चता के शिखर पर होगी और कभी मन्द। अतः आपको निरन्तर कार्य में लगे रहना पड़ेगा और नये-नये परिवर्तन, अज्ञविष्कारों द्वारा अपना नाम रोशन करते रहना होगा।

स्वास्थ्य आपका साधारणतः उत्तम रहेगा, लेकिन कभी-कभी अत्यधिक श्रम एवं मानसिक थकान के कारण सिरदर्द, गर्मी से उत्पन्न रोग, मानसिक तनाव आदि का सामना करना पड़ेगा।

भाग्यांक चार का स्वामी भारतीय मतानुसार राहु एवं पाश्चात्य मत से हर्षल ग्रह को माना गया है। हर्षलग्रह के प्रभाव से आपका भाग्योदय अचानक होगा। आपके जीवन में कई कार्य ऐसे होंगे जिनमें अथक परिश्रम के बाद चाही गई अवधि में सफलता न मिले और कार्य रुक जायें। लेकिन एक दिन अचानक ही ऐसे कार्य बन भी जाया करेंगे। आप अपने कार्यक्षेत्र में परिवर्तन के हिमायती होंगे एवं पुरानी मान्यताओं में परिवर्तन करते रहना आपकी आदत में शुमार होगा। आप रूढ़ि वादिता से थोड़े दूर तथा आधुनिक होंगे।

ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में आपका रुझान रहेगा एवं ऐसे कार्यों को संपादन करने में आनन्द आयेगा जिन्हें अन्य जन दुष्कर समझेंगे। आपके कार्यों में विस्फोटकता रहेगी तथा आप अचानक चर्चित होंगे। लेकिन यह स्थायित्व नहीं ले सकेगा। बार-बार का परिवर्तन आपकी उन्नति में बाधक रहेगा। अचानक सफलता या असफलता से आपको सबक लेना होगा कि भाग्य आपका परिवर्तनशील है। अतः आपको अधिक विस्फोटक, जोखिम युक्त कार्यों से दूर रहना या सोच-समझकर कार्य करना भाग्य वृद्धि कारक रहेगा।